

[illegible]

तलेयडी ॥ वागद्वयस द्वासचामर्वनाला यिरुद्वयसयुचामर्वनाला ॥ (लघुस डिमनिद्रु मयवाला ॥
 कानसना वासवयवावसुतव ॥ ॥ कन्यायुष्टमूलयाधमनीजीवसादिली ॥ तत्र द्वायस
 खदू ॥ खदूयकायययति ॥ ॥ लाहा गया काला यमलस द्वावयधिनालीला कयाजीवसादिली ॥
 धनाठियाधदान गनीनयासूखदू ॥ ॥ स्वसय यतिगजनन ॥ ॥ नाठीधलमनूका
 यजलीकासयथागति ॥ ॥ धनाठी
 धनवयवय ॥ ॥ ॥ वयधुवि
 गगलाप्रोदमवव ॥ ॥ नित्रादुद्रागनूयकवेनयवद्विद्वया ॥ गूला धानदीरुनप्ररुवयनिलड
 दान ॥ ॥ क्षीतायू गवधगदूयू कलूनीसिनीगनिव ॥ कठमद्वायू हाठ कालवयू क्षीयागयिव नूक

दूयू माठना लीगाठना क्रनाश्यायू दूयूमसायू वाहिनिकणिनिद्रुयू यतिग्यायू वाकानडध्वव
 यू धनवागद्वन ॥ ॥ ॥ गुरु विथियलामूलनागनीव गिरत्समी ॥ वागद्वनयविनीय विल्लाध्विवा
 निलदिनी ॥ ॥ गुरुयु पियलामूल गुठि ॥ ॥ समरुगवागद्वनयाकरुन काठयस्यिगान ॥ धेसद्याल
 मगद्वन वागलाययारिगद ॥ ॥ गु ॥ ॥ दूवीसाविवादाका गतयूथायूनहुवा ॥ वागद्वनह
 वसिद्धकषाययुठसयूनी ॥ ॥ गुरुयु ॥ ॥ दूदकालसरु मिदिय वाल मगयूथ यूनद्वन ध्व
 वसमरुगकाठयस्यि गाठठा द्वाठनगाठ वागद्वननाग ॥ वागद्वन ॥ ॥ ॥ संधावलीनगन
 जागवली ॥ द्वाठठा द्वाया मयानकद्विक कषायनूक ॥ ॥ यिना द्वावायरुयली द्यन ॥ ॥ कगीने द्वाठ ॥
 युकायमूययारियनागमव ॥ ॥ वा खीथली मनस्यवाली ॥ ॥ कठमद्वायू गवसवनवाली ॥ ॥ मायकीजाव रुस

सजाल यातूनल खायूनल हाकूनल खतानल गूकयदार्थनल धंदवाल कामगवकाकूनल
 ग्याल डयवसिवाल खायुजाल यादूयदार्थनल धंदस वातकायनययू वयसिडस ॥ धंद
 यकोवनकावीयसिद्धनसनीवावयथीनपूर्ववृय ॥ ॥ यातूकसिकावनगादरी ॥ १४ ॥ ग्यावल
 मंगलथवहरंगा ॥ १५ ॥ सूकद्वशीतव खनखलाया ॥ १६ ॥ कमीविवाया ॥ १७ ॥ यवदकियनू ॥ १८ ॥ ३
 ककककयू नूककयू टलाकनिव क्रीयाकलाल ॥ १९ ॥ ग्याथीकनयिव ॥ २० ॥ क्रीवीय ॥ २१ ॥ वनिम
 लिग्य ॥ २२ ॥ ग्याक ॥ २३ ॥ ठायथीग्य ॥ २४ ॥ क्रीयिययू ॥ २५ ॥ कनिनिठायामचायू ॥ २६ ॥ चिकुदव ॥ २७ ॥ क्रीकाचू ॥ २८ ॥ क्रीगव वात
 या थथीग्यकर्मधायि विद्यालाकनकाय ॥ २९ ॥ धावायसनीवातया नूयथथययू ॥ ३० ॥ सिग्यासिद्धनव
 कवलीलवलायादसुगलागया ॥ ३१ ॥ सानोद्यजिनवसिमा समदिवासीवाले नानमदने ॥ ३२ ॥ सुरुस्यदनिनूड

नश्यसमनभेदायनारुदिक यातारुनविहानले नमिदवार ॥ ३३ ॥ युगादिनय ॥ ३४ ॥ ग्याडयदा
 र्थनल काककयूनल काक सिवकयूनल दूदधनशुदियनय वलनूयदार्थनय चि
 यदियनय वाकुमाकनय यादूनय वकनयदार्थनय नरुनसवाककाकलखनमा
 ठकयू चकन क्रीस माठस यादू याचल यनुमीमागस वागनर्थकन लानय
 धमाक सुगसाक क्रीकाय मद नयाकन चकनायिनय काकनयकन य
 काथकनखेवन कूससथकन च कन वागवयवानयाकन धनिचकनदारय
 की लाननकन काकनवकन धनकाकभान लान मलसुगकादयू थथीग्ययुवावनया
 ननजायनयावागणाकिदयूख ॥ ३५ ॥ वातयादकायवाधने ॥ ३६ ॥ कलिगकांमिपूकगति

विलयकायन ॥ ॥ कसमीन काय व्याह झाकगतिधनवयकाव (थ) विलकायनयून
 तिसय ॥ ॥ वगसीको ६ निसान पुनिदात्यवगथावयि ॥ कलोषमखना ॥ नायाक ८
 शुद्धयजायव ॥ यलायावकु कदूना सुद्धादाहामदयुया ॥ यीनविमृगनवर्कय
 लिकरमववव ॥ वनवव कुलका लोकायय ॥ इननिमिसावावयु ॥ धनवयुध
 कनिव कीरुस कुथूस काससे कु थूसिर्क केवय ॥ ववतिलायु नीरुदवायु
 कुथुखाय लूवउमद्विदय ॥ रुमसमधाय ॥ थानकाव (थ) केनिवे ॥ यियासदायु निकानना
 नकगुविना ॥ मिखाभा ॥ यवभा ॥ नयय ॥ धनयिलकन ॥ ॥ किवागतिरुकेडाकाकीव
 नामनकीरुल ॥ वन ॥ यगनियवयुव ॥ यावनयलिककन ॥ खठा ॥ मिदिस वाल ॥ यवल धन

समरागद्वर्षुयादननानकी यावयाक यिलवयारिग ॥ ॥ नलायकय रुमृद्धीका गकनाय
 मधुनिवा ॥ नागयुधवगथाई यावमयिलिककन ॥ नला लवदवव योरक मिथय साखन लु
 यक ॥ समरागकस्तिनवालनसुथा ययाकयाक यिलकनयारि ॥ चलादियिलकन
 या ॥ ॥ कवसुमशलवलाव विदारुवीका काधीगथानवगुन ॥ गुमरुकागाके ८
 कालादजीरु विवमा गनराडने थ पि लूसकायमूययानियनयथच ॥ याल यादूनल
 धताल ॥ चिनल काकनल ॥ सायकीकाय ॥ सधनयुका नल ॥ गगकनल ॥ खठयदार्थनल ॥ तमचाल
 निरावकल ॥ मगथाल ॥ आरुवमुनल ॥ यवखावआदिनल ॥ गूडीरुयादनल ॥ लिवा रुवा ॥ अदी
 कनलयिलकायनयिव ॥ वयावेल ॥ गनदगीष्मादि ॥ अरुस ॥ पूर्वयथय ॥ ॥ यविगवस्ययवि

शी

दारुवागदोर्जथसकदवियाकका था ॥ यलायमूकुरुमयीगरावा ॥ यिरुस्यधम्मालिवदकिगका
 ॥ काठव धनवयं चयवडनिइयिवं चनतिराय लुंक्कठदूवू २३५५ कंझादुयिव दूधूनंम
 साक लुंक्कठकाया लानवयं दूधू स द्वासेस ककुवयू कंमवाकवाकवयू भार
 कवायू लुंक्कठमळिदुदयिव यिक ये निखायादि यंथावनिइयू धतलकलं यि
 लयाकलंय ॥ धसरावदूनकावयि रुयधान ॥ ॥ तिकुच्चादूकवायगीनयव
 नळाया निगावीजन क्षास्त्रावदू दानिडकु डलड मीगागमस्यार्थन । सयि ४ दीनवित्रक
 सकनूधिव यययस्रदिक याना लानविहान वरेमडमिदं यिरुयगा निनथ ७ ॥ खायूयदार्थन
 स्य साखनखादिन वाकू यदार्थनस्य हाकूयदार्थनस्य खादू यदार्थनसवावण रुसखस्य न

६

रावकचकवादन चानसरिमिनिनगावकी ननिदलासवादन गाठगिठसथादन लखिणकुन
 लुंक्कठसहायकी सुनकलंवादन मीवावादन धनयू दानकदूतानकी कानकास्य द्वाणीस्य दि
 कास्य कंमसणीखेलादिनलयनरादन यानावधीनानकी साखवादिनीनकी यिरुकास्य का०स्य
 धधिम्वयकावन यिरुनजायनयू कावायगा निपाक ॥ यिरुयधानया धतसंथ ॥
 हंमयानावतराणि धरुल्लुषायका यन ४॥ हंस वठवनि काया धंसीनकाव ल्लुषका
 यणयू नाठी ॥ सै मिर्यतिमितावगणानमधूनास्यता शुक्रमृगयनीयवर्तं कुरुयु पि नथा यि
 वा । लोनवगीतमू कुदाभामरुधातिनिदगा एतिस्यायानू चिकान ४ क रुड दू वणुक्कना ॥ कंस
 कव २३५५ नायू यलासदायू क्षाधवाक उकीगुनिना वादिनिना सवना गायिव कंझादयू

यगिरूयुवाव श्री आगयू विकय थनवायू विमर्ककठिवयू ॥ १ ॥ २ वयिव ॥ कासहउ ॥
 धायव नमयव भासाकदयूव मिखागाययू धलक ॥ १ ॥ २ वयिव ॥ ॥ १ ॥ २ वयिव ॥
 या ॥ कदू कामलकारया ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 उद्य कदूक ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
 गाली ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 रावयगिल रुमिदनाना ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 नक ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
 नाग ॥ १०१ ॥ १०२ ॥ १०३ ॥ १०४ ॥ १०५ ॥ १०६ ॥ १०७ ॥ १०८ ॥ १०९ ॥ ११० ॥ १११ ॥ ११२ ॥ ११३ ॥ ११४ ॥ ११५ ॥ ११६ ॥ ११७ ॥ ११८ ॥ ११९ ॥ १२० ॥

नवयया ॥ १२१ ॥ १२२ ॥ १२३ ॥ १२४ ॥ १२५ ॥ १२६ ॥ १२७ ॥ १२८ ॥ १२९ ॥ १३० ॥ १३१ ॥ १३२ ॥ १३३ ॥ १३४ ॥ १३५ ॥ १३६ ॥ १३७ ॥ १३८ ॥ १३९ ॥ १४० ॥
 विकययिव ॥ १४१ ॥ १४२ ॥ १४३ ॥ १४४ ॥ १४५ ॥ १४६ ॥ १४७ ॥ १४८ ॥ १४९ ॥ १५० ॥ १५१ ॥ १५२ ॥ १५३ ॥ १५४ ॥ १५५ ॥ १५६ ॥ १५७ ॥ १५८ ॥ १५९ ॥ १६० ॥
 लाल ॥ १६१ ॥ १६२ ॥ १६३ ॥ १६४ ॥ १६५ ॥ १६६ ॥ १६७ ॥ १६८ ॥ १६९ ॥ १७० ॥ १७१ ॥ १७२ ॥ १७३ ॥ १७४ ॥ १७५ ॥ १७६ ॥ १७७ ॥ १७८ ॥ १७९ ॥ १८० ॥
 प्रायसना ॥ १८१ ॥ १८२ ॥ १८३ ॥ १८४ ॥ १८५ ॥ १८६ ॥ १८७ ॥ १८८ ॥ १८९ ॥ १९० ॥ १९१ ॥ १९२ ॥ १९३ ॥ १९४ ॥ १९५ ॥ १९६ ॥ १९७ ॥ १९८ ॥ १९९ ॥ २०० ॥
 धनिय ॥ २०१ ॥ २०२ ॥ २०३ ॥ २०४ ॥ २०५ ॥ २०६ ॥ २०७ ॥ २०८ ॥ २०९ ॥ २१० ॥ २११ ॥ २१२ ॥ २१३ ॥ २१४ ॥ २१५ ॥ २१६ ॥ २१७ ॥ २१८ ॥ २१९ ॥ २२० ॥
 याना ॥ २२१ ॥ २२२ ॥ २२३ ॥ २२४ ॥ २२५ ॥ २२६ ॥ २२७ ॥ २२८ ॥ २२९ ॥ २३० ॥ २३१ ॥ २३२ ॥ २३३ ॥ २३४ ॥ २३५ ॥ २३६ ॥ २३७ ॥ २३८ ॥ २३९ ॥ २४० ॥
 यादू ॥ २४१ ॥ २४२ ॥ २४३ ॥ २४४ ॥ २४५ ॥ २४६ ॥ २४७ ॥ २४८ ॥ २४९ ॥ २५० ॥ २५१ ॥ २५२ ॥ २५३ ॥ २५४ ॥ २५५ ॥ २५६ ॥ २५७ ॥ २५८ ॥ २५९ ॥ २६० ॥
 धावस्त्रा ॥ २६१ ॥ २६२ ॥ २६३ ॥ २६४ ॥ २६५ ॥ २६६ ॥ २६७ ॥ २६८ ॥ २६९ ॥ २७० ॥ २७१ ॥ २७२ ॥ २७३ ॥ २७४ ॥ २७५ ॥ २७६ ॥ २७७ ॥ २७८ ॥ २७९ ॥ २८० ॥

ससवायथकान थनकाश्री वनगिरिवकाव डयवाससुगियाकास अवधीगाठन. खाकूअदिनस्य
 धनयवानग. पुष्पमजायवथावागगाणि ॥ ॥ निष्प्राययकायायवाव धनकथा ॥ ॥
 कुलायययला. खेवकथितावागयिरुडा ॥ ॥ कुलनेव. कुलनसुगियु. ॥ ॥ मूरुःसय्यगगानाठीमू
 दूवगवगीतथा. वातयीरुदथा. मूरुगा ॥ ॥ युवदकिविवक. लोः॥ वाल २सय्यगगीनाठी विवका
 थैवनिव. वगयाकाव धगनवनिव. ॥ ॥ तवकाननवनिव ॥ वागयिरुयानक. लनाठिधत ॥ ॥
 ॥ गयामूरुकाशिमोदारुसुप्रना ॥ ॥ ग ४गिवावडा. क ४अ. गीथावम ७वामरुका. ६व
 विरुम ४॥ यदरुदय. दृशववागयिरुका. वाकृति ४॥ ॥ यासवायू. लूगुमविद. विक. रुम
 समयाय. कदमदायू. मोउणायू. की ०कूथुगनिव. थनवयिवथ. थनयू. विमककठिवयू. नू

नी

८

१ वाग यिरु का नगा

विमथा. निरुिधा. अथिआथयाक. वाकानवयू. धननवागयिरुका. नसय ॥ ॥ कदूकदूदू
 कालस. मिदस. रुसिमीदिय. ॥ कदूक. गलिवाडाका. मधूक. वन्दनात्यल. ॥ कागमीनीमधूक. लाध
 शिरुली. यदूक. गरी. ॥ वला. राग्यमृते. ननु. वन्दना. गीनयय ४॥ डयकू. ल्यावडी. थन. क. वार्य. वयि
 वरुग ४॥ यदू. कदगिन ४के. न्यवाग. ॥ ॥ यिरुका. नजय ७॥ ॥ कदूक. दूदूकालस. मि
 दिस. रुसिमिदि. शीख. लुड. शाल. गि. ॥ ॥ नियाल. कृगिवन. सुखा. उ. शिरुला. यल. क. गल.
 वदियाल. थाल. रागी. गुठगु. एन. नु. नक. वन्दन. डस. वरु. खा. कन. यियलि. वाल. धन. सम. राग. का.
 ०दा. सी. गा. दुन. अथिआ. थया. क. मा. उ. या. क. वा. ग. यिरु. मा. क. ॥ ॥ ॥ वासक. शिरुला. वा. मा. दी. ध.
 वृका. यून. न. वा. ॥ वला. थ. गि. नि. ता. उ. ल. मधू. ना. वा. ग. यिरु. जि. नू. ॥ ॥ आद. ग. शिरुला. था. गी. का. उ. रु. वा.

ली

कानवीचदलालरा। ककुलीयुक्कृष्टसमरागादिकैकिकावथ० मधूयकसमाष्टिगल्लायण्य
 वायस्र॥ प्रियलि मन्वव शुष्ठि रुकडि नि दलालरु कवदवसकवू यूक्कलामूल कर्कटायि स
 मरागचुष्टुयाद कस्तिनवालनकैरिथायनाग॥ युष्टुगलरु॥ शिकटमुष्टुनादाकाड
 त्यलवालका कना। गुगायवसमारा (गावूष्टुकोदावलरित॥ श्वरिलिर्विधेभागा नागक
 यात्रिवानगा॥ शिकटमुष्टुमि दिस उखाल वाल प्रियलि वीगलावन धतसमराग
 दूष्टुयाद कसीनवालनकैरिथायन न॥ कलकुकदलीष्टु कालवीचसमानि
 के ४। सखापूतलयनकार्य कष्टुमूलमूक मूक४॥ कालाग कवलवसकवू शुष्ठि रुकडि लि जगामसि
 नयिदावकै रतकावकी लयनयाद कष्टुमूल द्रसरास मूकवयनाग॥ कष्टुमूल॥

१०

मूककवियलासूल मरुयाकदुवादिनी। चतुष्टुमितिस्थारिवातयिलरुवानृणा॥ मूकवियलासु
 ल रुकक कदूक धतसमरागचुष्टुयाद कसीनवालनकै वागयिलनाग॥ चतुष्टुदलरु॥
 लवगककालमूणीवचनन गुगावदुष्टुगमूकमूकली शिडीविकुष्टुगुनययकमर्च नतसाविलानि
 लयससामूना॥ कष्टुनजानीरुलरुगवाज के गिताष्टुगार्गसमसु के वृणुति। सखायनयावनमनिवद
 न वलवदवृकप्रियायनवाव उवाविर् (धदयगलरुई स्वासदवसादवयकयीनर्य यदयनी
 सांगलरुकावैर्द निरुकिगुलम कगजसकालिनी॥ लवग ककालादुगुहा शीखुवगलावन ल
 वीगलरु शुक्काल यातक नूयक मूक उखाल जीवि रुकडी विमिनि प्रियलि अगुन यनक श्याल
 उदासीनि वाल कष्टुन जागिल लीमनाज धतसमराग वासनयाचाठ साखन वृष्टुयाद कसीनवाल
 नकै वृष्टुवदवाययाकयाक अग्निष्टुदियाक वलविव सिवनय प्रियायमाक उदुर्वध रुदयवदना

११

मसयीठनयूसासवरुनयू लूगउमहिठ दानकीणकासुठ०२ वाव गदपी सुनिसान गलसगवठ
 ववकागमरु गुलमकगकाग सादिन रिदायभाक ॥ उठलवगादि ॥ ॥ यठालयिचूमरु ॥ रिह
 लामधूकवला साधितेयकषायययुलिह ॥ यमकावव ॥ ॥ यालाएवनि निम्व रिहला ॥ रिहमधू
 वदियावडा समराग का० वास्यताठ यिरु ॥ यमकावव ॥ ॥ लवगयोक्कनरिगजारा ॥ रुत
 गतावनी ॥ मोगधुगुनूकषायववयलिन ॥ कचन्दन ॥ नागकगनयललागकना ॥ वरु ॥ धामय ॥ गारु
 नकरुयिरुनागानियागदनायरु ॥ ॥ लवगयूकलामूल ॥ रगनाउ ॥ जानिरुल ॥ अरुन ॥ यियवि ॥ अरुन
 पूनन्दन नूकचन्दन नूयक ॥ यागक ॥ गुकमाल ॥ समराग ॥ धुवताया ॥ याठ ॥ साखन ॥ कमीनवालनक ॥ यि
 रु ॥ यमकावव ॥ रिदाय दाननाग ॥ ॥ यिरु ॥ यमकावव ॥ रिदायगया ॥ ॥ विठगा ॥ विविषाराम ॥ योक्क
 न विरुकेगरी ॥ गामिठायियली ॥ गुठियि ॥ यमकावव ॥ ॥ विठिय ॥ अनीयस ॥ रानी ॥ यूकलामूल ॥ वग

क ॥ ०१० वेककगसि यियलि ॥ गुठि ॥ धनकाकलखसथ ॥ यिताठन ॥ याधि ॥ वाग ॥ यमकावव ॥ रिदायना
 ग ॥ ॥ ॥ वरु ॥ उठवगुल ॥ लानागकगनमवव ॥ यियलीकदूक ॥ गुठि ॥ कालवीसदवालरा ॥ कडुली
 योक्कनरु ॥ गिसमराग ॥ निचू ॥ य ॥ ॥ गानियाग ॥ रिदायचका ॥ यमकावव ॥ रिह ॥ क ॥ ०१० वा ॥ गयदिक्काव ॥ मधूना
 दानगा ॥ रिह ॥ लवग ॥ वव ॥ यागक ॥ गुकमाल ॥ नूयक ॥ यियलि ॥ कदूक ॥ गुठि ॥ रुक ॥ डिनि ॥ दवालर ॥ कवठ
 वयकव ॥ यूकलामूल ॥ ककटायि ॥ समराग ॥ गवु ॥ याठन ॥ कमीनवालनस्य ॥ रिदाय ॥ सानियाग ॥ काग ॥ य ॥
 म गठसयीठनयू गलवायदिक्काभाक ॥ धनकाव ॥ गगस ॥ था ॥ ॥ ॥ वाग ॥ यमकावव ॥ रिदायगया ॥
 ॥ रिहला ॥ गायमान ॥ गुठि ॥ यी ॥ साधिते ॥ जल ॥ वाग ॥ धन ॥ गानियाग ॥ कषाय ॥ ययस ॥ यग ॥ ॥ रिहला ॥ गमाल
 गुठि ॥ धन ॥ समराग ॥ का० वास्यताठन ॥ वाग ॥ धन ॥ सानियाग ॥ नाग ॥ ॥ ॥ धवाग ॥ धन ॥ गानियाग ॥ य ॥
 डाका ॥ यमकावव ॥ गुठि ॥ गी ॥ कषाय ॥ ययस ॥ यग ॥ गिता ॥ मधूना ॥ सहल ॥ यय ॥ रिदाय ॥ वनि ॥ जय ॥ ॥ मिदि ॥ रुक ॥ गुठि ॥

कर्कटसि कटडरुल यियलि साखन वृर्णुयादनस्य नीद्युवलिदामाक ॥ डाकादि ॥ ॥ थायकडल
 कानकाथो कनामूलकानदी । रिगुगीधिवगलीसी गृध्रीमूलीयवाचन ॥ यवदगंगिकीनामा मधुनास
 रुले रुय ॥ वागल्लुवा रुवकाण लिक्का ग्रासमवाचक । रिदायसन्नियार्तयया गृध्रुलसिदानु ॥ रिक्क
 कउयसकवू दूनालीरू यूक्कनामूल रुकडिलि गुकमाल यागक लवंगवच गालिग कर्कटसिमु
 रु वंगलोचन धतसमरागवृर्णुयादन • कसीनवालनस्य वागल्लुवा कागल्लुवास लिक्क नूविमदा
 वकाण्णीक्क रिदायसन्नियार्तमाक्क ॥ ॥ यवदगंगिग ॥ ॥ वागल्लुवाधिकया ॥ ॥ कडलियूक्क
 वंगुगीयूक्कनैगु थायानकाचनवी । मुक्कगालीगुल्लयर्गु गुध्रालोगजकगर्ब एगानिले कूवू
 निमधुनाले रुयडियक्क । रिदायसन्नियार्तयूयागु रुद्वसिगुलिने ॥ स्वायकाण्ण दवधायि लिक्का
 कडिनिवावर्ण । वरुद्वगंगिमिदीयागं वागुदन यथाजिग ॥ कदयसकवू यूक्कनामूल कर्कट

रुकथाच यागक लवंगवच गालिग विवायाध

सि रिक्कदूनालीरू रुकडिनि मुक्कगालीग लवंगवच रिस्सगध धतसमरागवृर्णुयादन कसी
 नवालनस्य रिदायसन्नियार्तसयका लूग्वर वसयाकथा रुलस्याक स्वागकाण्ण दवगवधग डि
 क्का कडि धतमावका धतवरुद्वगंगिथाग वा कडनयाजवया ॥ ॥ वरुद्वगंगिलड ॥
 डाकाविरिगकीमुक्क धारियथे टर्कलिवा । गृध्रुलामागधीगृगीजाजीका वविचामुना ॥ गालीगयर्गु
 रुकयर्गु थायर्कनागकगल । वासानयूक्क सोनालिडुगीवचन्यचनर्न ॥ गर्कनामधुना मडिरुकरे
 यार्तवृद्धिर्न । डाकादिक मिदीनामा सन्नियार्तक नायर्न ॥ वागयिक्क कडुयाय वकयिक्कदि वगडि
 क्का ग्रासमवाचकडि रुक्कामूक्कविचिर्न ॥ रुक्कामादविचिर्न रुक्कनास रुवयर्न ॥ ॥ मिदिस वरुन
 ग मुक्क रुवले रुक्कन रुलेगु गुकमाल यियलि कर्कटसि डि लि रुकडिनि वल गालीग लवंग
 वच यागक गाउयादन नूयकगु रुक्कगु रुक्कमिदि धुनिसिर्न कवू डगवराणीखगुनक वच

ग्री

१३

न सारवक कीनवालनक वागयिकाधिक यन्नियाग नकयिक दिक् धसावठवयू धनठवव यस्मि
 मृच्छा नूविमद्र थिक स्वतीन्मादविव धतमायका ॥ धडागनगनन गुरिवायमाचक ॥ ॥ दृता
 यदाकादि करयिकेकनसन्नियागया ॥ ॥ गणीतिकागटायाही नाम्नाविष्टयवसका । यानूरा
 ग्री कलायवरायकीयूकनामृता ॥ सन्नियागहन धुनि शितादिगुमधुयूत । वन्दीरिकास्यस्यलोय
 धासुष्टुनिदानर्ण ॥ गति कद्रकजगामा सि अक ॥ ४ गिनिवाय द्वाउडा मुष्टि सायनमिचकि सि
 राजी यियलिगमालयूकनामूल गुयगु धतवृष्टुयादका ० दायी दिगुवा कादतानक दोलाडा
 नथाद दिक् युधुर्गगु धासयास धतनर्गम्य सिदायद्रवमाक ॥ ॥ गद्यावन ॥ ॥ दिग्वादा
 कवसायत यियलीयूधुसयूत । सन्नियागहनधार्ममरिन्वासवदानूर्ण ॥ द्रव्यागु मूलमानाह
 सद्यः यिकनयकगि ॥ दिगु यियलिवून धतगायात्वरानकास नक गुरिवाय सन्नियागहनर्ण

गाठ यिकायाक लुधिया धतमाक ॥ ॥ यूनर्वागु दूयीचरायन्ननठुवासकी ययिमूलकतगु
 ए (गामूरुलमृत्तुर्ण) ॥ नय धुननरिन्वास सैलावासायेजायत ॥ यूनदन गुयगु तमाल गुरनठ
 ग्रायनवाल गिनियालर्गरानि सि नुमलाठ यादलि धतसदागामूरुलयायकतानक गुरिन्वास
 सन्नियागमाकसैलादयू ॥ यूनर्वादि ॥ ॥ निर्वीषवैकगामूरु कवूमविचसन्धवै गुरि
 नस्यान्यवाधायसनथानगिलावेच ॥ ॥ ॥ वचादनसि यियलिमविच स्यधुलितोजउ वं गा
 मूरुलकास्य मिखासवालक गुरिन्वास सिदायल अचनननचायि जागवययक ॥ ॥ धत
 गुरिन्वास सन्नियाग वागधिकसन्नियागया रलुकसकायधुना ॥ ॥ नीलात्यलमूणीन
 लि वदन द्रवणाविवा । निगाकवाथाययितयिकेकनविनागर्ण ॥ नीलात्यल डगलका गीख
 लु दूद्रकालस टकलस धतसमराग वृष्टुयादनका ० दायी तानक यिकेकन सिदायनाग ॥

नी

१७

नीलात्मनादि ॥ मूसयर्थिकाणीनयवदानुमरोवर्थ ॥ गिरुलासदुनालीनीलीकीविय
 लंठवृग ॥ किनागिककीयाभववाकदकनादि ॥ मधुकीवियलामूलं मूसकाद्यागनामचुत ॥ सल
 धनसगमिन रिदायद्योगिदीयन ॥ अष्टादशममूयकं नुगदद्या दूनायर्द ॥ पिरुद्वनसन्नियार्तदा
 रुणाकगलगुरु ॥ मूसखाकनडपुकायवदानु ॥ गिरुलीदुनालीरुनीलीकवाथकासंगु
 लसि टकटुखाठा यठिय वकदूके ॥ इष्टिमिद यियलामूलं धसमरागचुलुयाठनका
 कलखयखासिताठन दावसाधनय दावसमनयाक रिदायमावक अग्निदयक धतुअष्टाद
 शगिडसिताठन दावसाधनय दावसमनयाक रिदायमावका अग्निजयनय अष्टादशगिडद
 क पिरुद्वनसन्नियार्त रुचुगावगुलसयिठनयनाग ॥ मूसकादिपिरुलुन सन्नियार्तया ॥
 नागवायियलीमूलविणकीयोक्कनगा ॥ दुनालीरुववादानुका पुस्याचुमिकद्वन ॥ ॥ छुठियि

यलामूल वणक युक्कनामूल ॥ गिरुलीदुनालीरुवदवदानु समरागका ॥ दास्यिताठन (धमाधिक रि
 दावनाग ॥ नागव ॥ ॥ ग्रीकडुलवालीगक्यामनिचनगर्न ॥ रुवाजाडीदुनालीरु ॥ मूसका
 दुनीवकी ॥ वाडुजागक रगनीवमवुनाग रुलंठय ॥ अष्टादशगिकीनामवातु (धमाधिक नायड ॥
 रिदायसन्नियार्तवकाग स्वाग गलगुरु ॥ रिक्कागदामवाघारियगिस्वार्यनिवर्तन ॥ कका
 टासि कठुवथकव तालीग रिक्कटु ॥ कडिनिदुनालीरु ॥ मूस रुलठ गिरुगंध नूयक
 रागनीचुलुयाठ वाग (धमाधिक सन्नियार्त रिदायसन्नियार्त काग स्वाग गलगुरु रिक्क
 दानठनवाग लूगिदुयाक द्वासरुटधव धवमाक अष्टादशगलगुरु (धमाधिक सन्निया
 र्तया ॥ ॥ सिद्धार्थ गिरुलागि वीषकटरी (धमावलाधातकी मजिष्ठानजनीद्वय रिक्कटु
 ग्यामाववादिगुव ॥ गकुकागलमृगयिष्ठमगर्द सिद्धगलात्तादन रुवामादविषद्वनयसमनया

५१

नादिरिथोचितं ॥ ॥ यका रिखला नीला रसि ज्ञायामार्ज (धनाय वाजिग कर्जि गुणु सुनधि
 रुलठि मिचकिरिं लिंक दू व हिं गुधान नस्य कर्क नवाल नर्क स्र सवाय तव झास सधन न व
 यददाय वालगुरु रूतयत जकिनी थाय स्वतीनाद विषम दान नाग ॥ ॥ यठाला दवया नि
 का ग्गा विवा रि ४ गृत्त डलं सिता र्था द्वा प्रदु र्य वाता दीना निरुलथ ॥ ॥ यला उवति मूसु आदग
 कद्रक दूकाल सला धतका प्यास्य तानर्क क्रिथ वव चिक दान नाग ॥ ॥ सितत दान या ॥
 ॥ ॥ यठाला विषम द्वा का ग्गा मार्क रिखला वृथ ॥ क ०५ कारिक रूनि गर्क नाम धूया डिर्ग ॥ ॥
 यवा उवति निम्ब मिदिस यिर्य गु रिखला स्यादग धतका प्यास्य तानर्क साख वक सी झाडन दू
 दू ग्रीत नवव चिक नो य नाग ॥ ॥ कारिक या ॥ ॥ चन्द नागी वध नाक गुण वी य क यय
 ट ॥ गर्क नाम धूनाय क ट पूा दा रु नि वा व र्ण ॥ ॥ रती व क द व था थ व क यिरु य म र्च र्ग ॥ ॥ ५१

खलु डग वला स्रुतान मूसु गुणु का ० यत्र खक न साखन धतका प्यास्य कर्क नवान नस्य यास
 वाय दयु रती व क री यिरु दान मा व क ॥ चन्द नादि रती य क द व या ॥ ॥ सिता या मुल की दान
 निवा व य म र्ग र्ध ॥ ॥ गृत्त नी ग डलं दद्या क्रिता म ध विमि लि र्ग ॥ वातु र्थ क द व ती ध म न व व था य वा व
 क ॥ साव य र्गु खिल द व दानु रुन र आदग गुणि का ० प्यास्य स्वाय क क सी झा ड तानर्क वातु र्थ
 क ग्री व दान सन अग्नि म न्न दान सन या क या क ॥ वातु र्थ क दान ॥ ॥ वासा रि क दू का जा डी
 त्व र्ग का व वी नि वा ॥ गर्क नाम धूना ल रु नी त दान नि ला य रु ॥ ॥ आदग लिंक दू जी नि ल व र्ग
 रुक डी मि रुलठ साखन क र्क नि वाल नर्क वातु रि क दान नाग ॥ ॥ गृत्त नी ग वी सा दि ॥ ॥
 वासा य ल द्याद ग क गृत्त डी य म व व ॥ त्व र्ग म नि द सा गृत्त द वा य ल म र्ग क ॥ गृत्त ला व य ल य
 व गु ठि का का ल मि द्या ॥ को द ला विलि रु द्या यि वात र्ग म दान नर्क ॥ ॥ आदग य १२ जि वि १ ल

वर्ग मन्त्र यिथालिख्य कर्मला ७ कालस्यमान गाउ कसीनवाहनक वातविषमद्व ननाश ॥

॥ वाग्निदिपुटिका ॥ वागविद्यमदन ॥

॥ शिवकृष्णिल्लामूसु यियलीदासक मधू ॥ ७ ॥

केनाय रुसय कृय लिख विमस द्रुय ॥ त्वट रिदला मूय रिपयलि मूयण रूष्टिमधू वासनेनु

वद्धि खननवद्धि यालनक यिकु वियमद्वनना ॥ ॥ रुतपिकोय ॥ ॥ गननात्यलसि

यमुका ॥ वासका निसमायुक्त विषमद्रव्यं बह्विच ॥ ॥ गिरुला यि यनि रिमवाड नीलान्य ल

यियगु ग्रादन समरागवृष्टु याद क नवात्त नस्य विषमं द नना ॥ वासो दिगं ॥ यिरु विष

मन्त्रायाम् । एकद्वयं नक्षत्रं विष्णुं जातं गन्धर्वं । इत्येवमपि विष्णुं जातं विष्णुं सौम्यं ।

मधुसूक्तं सुरुलाटुल्लुखिताविकान्नं हननवद्वननित्त्याणकान्नाद्रुदं ॥ ॥ शिकटु मूक

पूयकणन शिखला विदित जातिस्थल आदण धतचूनुयाठकसीनवां
सी॥

५५

लनस्य (लघुविकानचिकु स्वागकान्क्रींथाकभाक ॥ ॥ मध्यमदायादि ॥ लघुविकानचिकु नया ॥ ॥

यूसाखिलिह लाया ० नकवेचनगर्कना । मधूनाका ० लंकार्यनालयद्वियमहर्क ॥ ॥ ॥ ॥

गिरुला यंठय नुकुवन्दन साखन धरिका ० दायी शान कस्कीनया लन गव विषतदुनना ॥

॥ वरुणं चिन्तयित्वा लवंगं रुतगर्भजं हि युग्मकमात्रं वासासमेव सिद्धिरिति ।

वायु राग मयि मादि के ये । यकायय । निरु कय निली रु । संबाद्रु साय निवसा १ यकाय ४ ॥

अथ हिमा नृगिमलायकनी रुडकिलहलियड ४ यथागारु ॥ अतिथस डिबिखल तवंग

लेयगखव शिखला जिनि हाकूडिनि शुक्न्याल वमूल आदण समरागवृष्याद कगाया

याठि तीरयायने कसु नवाल नै बालयिरु विष्मद्व नल र्क्ष्याक भाउ याक मल गू डिमद

लक्ष्मणानिद्रय ॥ ॥ दग्धवादि ॥ दातयितुं विवमद्वय ॥ ॥ यष्टालमूलमविर्व

सा

नीलमल्लसिंघचित्तं । गङ्गा नामधुनायुक्ती वमनीयवमोयधं ॥ ॥ यलोष्ठयतिरामवच खादुलीखन
नस्य साखनकसी छादतानकं र्थनकाययायवमोयधं ॥ ॥ गिरुलाजाजिककृष्णपियली
मूसकृष्णं । लवंगजाजिकस्थामतालीसंयतिजानकं ॥ वंगडावागकं युक्ती समरुगी दि काव
य ७ ॥ यिरुलाजाजिककृष्णसदायवमोयधं । कृदिमृच्छागमायव वातयिरुलिथायड । विय ११
मद्वनयसुसुनायुक्तस्यायवमोयधं ॥ ॥ गिरुलाजीनि हाकडीनि यियावि मूसकृष्ण
कंगल लवंग जाजिरुल ययंगु तालीण यागक गुकमाल लवंगखव वंगलाचन आदग
समरुगकसी नवालनकं यिरुलाजाजिक वियमद्वन रुय र्थनवव लुगठमकिं विकृति
थायवियमद्वनादिभाचक धथाडयवमयमद्व ॥ सुखमवासादि ॥ ॥ यिरुलाजाजिकवियमद्व
न ॥ ॥ दवदानुयुक्तामूस यथायियलिवसक १ कषाय १ गमयत्यागु वातगुष्मद्वन
१ सुखमवासादि ॥

[illegible]

ययैकायजि०॥ गुल्मगुल्लक्षणाद्युक्तमसमानं काष्ठमयानायस्त्राणास्त्रनयाभुमरुमन्विंयाश्चाकिमी
 नागनं॥ कृत्वाष्ट्रविवर्धनागनकनीना॥ नूजानागनी॥ दृष्ट्यादरुसरोमृषि॥ रुसकलायकामलाना
 गथ०॥ ॥ राज्ञी॥ आदणशमालशिरुलानालीग॥ र्यगुल्लक्षि स्वाद्यधनदिवानि॥ निम्बकटुक॥ वृक्षयव
 स्वाकन॥ सिंघि॥ गुल्लिथग॥ यियलामृल॥ मूसगुणगु॥ लाकजिनि॥ टायजीनि॥ विठय॥ मित्रकिर्सी॥ टवग॥ वृष्टिमधु॥ यि
 मूनि॥ वाल॥ गुडमादस्य॥ सुका॥ दूत॥ ल॥ ॥ यि॥ थ॥ उ॥ यि॥ र्यगि॥ यि॥ गा॥ यि॥ ॥ यमसखा॥ न॥ दिगु॥ यि॥ उ॥ यि॥
 गुकम्याल॥ लवंग॥ यकि॥ सी॥ रं॥ डिन॥ यूने॥ न॥ न॥ शिक॥ दू॥ रं॥ रक॥ ध॥ रं॥ यम॥ रा॥ ग॥ वृ॥ लु॥ या॥ क॥ व॥ य॥ न॥ य॥ मान॥ या॥ क॥ (गा॥ उ॥ यि॥
 रुन॥ क॥ र्सी॥ न॥ वाल॥ रु॥ द॥ रं॥ न॥ स्य॥ काल॥ अ॥ काल॥ न॥ थ॥ वि॥ का॥ वि॥ व॥ द॥ या॥ नि॥ ग्य॥ म॥ नि॥ ग्य॥ न॥ या॥ था॥ व॥ ल॥ न॥ डा॥ य॥ न॥ या॥ रि॥ दा॥ व॥
 का॥ य॥ न॥ य॥ गुल्म॥ गुल्ल॥ या॥ रा॥ य॥ काल॥ द॥ न॥ वि॥ क॥ मा॥ व॥ का॥ दू॥ गु॥ डि॥ अ॥ ना॥ रु॥ उ॥ द॥ न॥ या॥ भु॥ म॥ रु॥ नू॥ यि॥ म॥ था॥ य॥ ट॥ द॥ व॥
 कि॥ मि॥ य॥ धे॥ रा॥ ग॥ ना॥ ना॥ या॥ या॥ स॥ रु॥ य॥ अ॥ स॥ वि॥ रु॥ का॥ म॥ ला॥ दि॥ स॥ र्ध॥ ना॥ ग॥ ना॥ ग॥ ॥ ॥ ॥ दो॥ की॥ दि॥ दू॥ ॥ का॥ ना॥ य॥

٧٤

५ गी ३

या ॥ ॥ गालीसत्राचननग ॥ ॥ कृष्णलवकाविके ॥ ॥ शुष्कवर्णवविकाणीनमडाजीवयलारुके ॥ ॥ गच्छनाउ
ल्यरागधुलकेयेन्यलरुमन ॥ ॥ विषमकनरुनकाण ॥ ॥ यीरुगूलानचिसुथा ॥ ॥ द्रव्याग्न्येदयागुधुयान
सुगुहनीकिमि ॥ ॥ कृष्णसीसानरुह्यागुवलमग्निकनयन ॥ ॥ ॥ गालीसेगोत्राचननयकगनरि ॥ ॥ यद्वि. क
वद्वि. वा. वि. क. सि. वि. ड. स. ने. ड. जी. वि. क. र्ध. वा. न. वा. न. व. वि. सा. ख. व. व. वि. वि. ध. न. र्ध. वि. वि. म. क. न. का. न.
मूल्य. ड. व. र्ध. ग. गूल. न. वि. म. द. ल. गा. ठ. स्या. क. या. शु. वा. य. द्वा. स. म. वा. न. ग. रु. ली. कि. मि. द्वा. क. का. ठ. व. ध. त. मा. क. व.
ल. ग. न्नि. य. य. क. व. ॥ ॥ गालीस्यादि ॥ ॥ ना ॥ गवधुयिकाकानयियलीमूलविणक ॥ ॥ कृष्णवयलिकामु
गान्द्रुतयुक्तवियावथ ॥ ॥ गवधननसियुक्तमसुसुक्तगथेवव ॥ ॥ का. रि. के. द्वा. रि. के. धु. या. रि. के. व. व.
गु. थ. के. ॥ ॥ व. ता. य. द्वा. न. द्वा. ना. रु. नि. यु. ल. व. के. न. व. रु. ग. ॥ ॥ द्वा. न. म. स्या. य. का. न. र्ध. व. ल. व. लु. वि. व. द्वा. न. ॥ ॥
॥ ॥ सि. वि. स. वि. का. न. वि. य. ल. मूल. वि. ण. क. वि. य. लि. यु. ॥ ॥ ध. व. या. स. म. रा. ग. द्वा. न. या. ध. न. रु. ॥ ॥ रू. न. या.

ली

१६

लुगीरु १ धविगिरु १ सखन ॥ क्रिथियव कुरु गिरवव नरु सुवव सुरु सवव यदु सवव विकु ना
 न ॥ ननीन चीनकव नाता भाग स्वास कागा विभा क वलव लु दयक व ॥ ॥ अमृत य धन धुग
 ॥ ॥ बालगु श्रियले क कुरु वामनि चत नम ॥ एतिका वविका वदिक गजु कुरु यना दिक ॥ ताली सय
 गकाणी वलव गिरु टिव कल ॥ कनर्वका नवी धा नम जाडी कय मवव ॥ नग वुणी कनर्व वगु द द्विगु लि री य
 व ॥ धविमान गुटिका रु कथ चय था व ॥ वारिका चि लिकान वद ॥ विषिका चि निया निकान ॥ वि
 यम कन सव वयु यी रुला धगु दामथ ॥ कल मया सावु विया धु गुला का न्ये कया यरु ॥ अपि कुरु नरु दीरु
 वल वरु कना लि ॥ अ ग सगु श्रियलि मन च सुद्धि धी व यि यला मूल सि यि धा क गज यि यलि वा
 रुद्धि धी व ॥ ताली ग यात क डगल रु लव ग रु क माल लव ग वव लु य क गल रु क जी नि सुरु न जी नि
 धत कय विधा न धत वु लु या दन वा न वया दू गन द्वि दा वु न ॥ अ वल यमान गुटिका गा रु विदा वन र्य वा

वासादिगुटिका

तयिक ॥ अवा विदा य विषम कन आदिय अरथ मंग ॥ अर्ण वाय काग स्वाग न विमद या धु वाग गु लम क
 य वाय धत भा वक ॥ अग्नि दय कव वल वनि दय कव ॥ वासादिगुटिका ॥ ॥ विषम क न वि कि ला ॥
 ॥ कलामधु क मृ दी का ववा वन न सा नि वा ॥ यका था य यया यी ता की ल वन नि वा न ला ॥ ॥ यि यि नि
 रुद्धि मधु मिदि स थ श्री ख लु दू द कल थ धत का ॥ दा र्य दू द स दू द ना दन की न वन ना ला ॥ ॥
 की ल वन ना ॥ ॥ विरु ग सा व कल व ॥ यया था यया मि यि धु क वया वगु के ॥ यला सि के ॥ की
 न सम धु ग य य क य व डी रु क रु क न द्य ॥ ॥ विदि स सवा कल सि यि यं उ य गि क द वि द क र्य ध
 वा य व उ म सुद्धि ॥ धा न या रा ग न दू द रु द्धि ॥ धु व रु ॥ ख रु व रु डी रु द्धि न ॥ अवा भा वक ॥ ॥ विरु ग
 दि युर ॥ ॥ यि यलि यि यला मूल व य वि ग क ना ग न ॥ यल के ॥ स य व का व य त य रु वि या
 व थ ग ॥ की न य रु क र स यि वि यम क न ना ग न ॥ गुरु ली या धु वा ग र्य श्री रु गु लम नि मु द न ॥ ॥ दि

ग

कसी साखनधवनवालनकी यिकल्लुवातिसावनाग ॥ ॥ कूटजादियिकल्लुवातिसाव ॥
 ववाकसंरुमासाम्बुसदृगंसर्ववृयिनी कूटयाधमतीसानविद्यादाषणयाद्व ॥ ॥ खायादाक
 लक्ष्मीलायलातीथुं देवसद्वृयं जिदायलेजायवधपुतिसाव लायकभक्त ॥ ॥ विल्वचिधातकी
 लक्ष्मीगजयियलिवालकी कूटमाविषसंयुक्तलक्ष्मीसर्वतिसावननुर ॥ ॥ यालधनिखानगुल्लो
 ठगजयियलिवालकूटवृष्ट्यादक • सीनवालनकजिदायातिसावनाग ॥ ॥ याननाग
 नमस्कृतवालकी विल्वमवच ॥ आमगुलविवधयुयावनवद्विदीयनी ॥ सुदनगुष्टिमस्कृतवाल
 याल धनद्वठवस्य लखसद्धादनदायकी स्वादकी आमगुलविवधभोक्त मलयाकवधु अ
 धिकल ॥ ॥ धान्यवक ॥ ॥ यियलिवारुयामस्कृत धान्यगुल्लु विरुसमा आमगुलकूचिवागी
 मडीपुष्टिविनागन ॥ यियलिरुलरु मस्कृत सुदनगुल्लु यठवि समरागवृष्टु नस्य आमगुल यट

वाय अजीर्णभाक्त ॥ ॥ यियलादि आमगुलिसावया ॥ ॥ चन्दनमस्कृतालीलगुयालानागकगर्भ
 वालकीगगर्वकृष्टमिदिष्टादिगुल्लुसकी ॥ वृष्टुमधुयुगल्लुकरुनकामयावन ॥ ॥ श्रीखलु मस्कृत
 गिलडा गुल्लुला नृयक गुल्लुवाल गगत्राय कूट मनाधिभेद वृष्टुकसीनवालनस्य लुवालावालहीनका
 क आमगुलिसावयाकवध ॥ ॥ चन्दनादि ॥ ॥ सलाधधोतकी विल्वमस्कृतसिद्धुलिगकी विधनादि
 यरुक्तलयकागीसावननागन ॥ ॥ गुल्लुठ धनिखानयाल मस्कृत अकलय धनवृष्टुयादमगधवितिस
 खास्यतादनयकागीसावमाक्त ॥ ॥ लोधावि ॥ ॥ वयागुनागर्वनामगुल्लुकाविका स्रवदा
 वृष्टुयान (ग) धातीसावननागन ॥ ॥ यूनन्दनगुल्लु ठागुल्लुठ यियलामूलकी ॥ गिविधवदान
 धुमनस्यताद (ग) धातीसावननाग ॥ ॥ लोधागीसावया ॥ ॥ नागनागिविषामस्कृत गुल्लुवीविल्ववस
 क। कवार्ययावथत्यीगद्वनातिसावननागन ॥ ॥ गुल्लुअगिथय मस्कृत गुल्लुयाल कूटवीज का ॥ या

स्थितादन द्वात्रिंशतिवना ॥ ॥ द्वात्रिंशतिवना ॥ ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 ॥ वर्षानवात द्वात्रिंशतिवना पाव विरुद्धा विना द्वात्रिंशतिवना ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 लास ॥ ॥ कृष्णासिद्धि वनादि तस्मान्ननु वनकर ॥ सवदिन विरुद्धा विना द्वात्रिंशतिवना ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 ॥ तस्मान्ननु वनकर ॥ सवदिन विरुद्धा विना द्वात्रिंशतिवना ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 लिखितवपुः कृतिनायस अने सर्वदस नान्नायममाल ॥ ॥ कृष्णासिद्धि वनादि तस्मान्ननु वनकर ॥ सवदिन विरुद्धा विना द्वात्रिंशतिवना ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 वद नू ॥ ॥ वसन्त नक्षत्रावलीवने वा तस्मान्ननु वनकर ॥ सवदिन विरुद्धा विना द्वात्रिंशतिवना ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 य ॥ ॥ वसन्त नक्षत्रावलीवने वा तस्मान्ननु वनकर ॥ सवदिन विरुद्धा विना द्वात्रिंशतिवना ॥ वर्षासमावृत्ता इष्ट विरुद्धा विना द्वात्रिंशति
 पसेया विपरीता पसायिता ॥ ॥ थव २ सकाल वने सवन्ता लायक जीवनाय उपगयधाय ॥ ॥ थ
 व २ कालनमव इवसा विपरीतनवव ॥ ॥ तन्नुपसयधाय लायक शक ॥ ॥ वृत्तिमुद्रपकृतिनाय ॥

२२

न २
 शृङ्गायाधुवर्गस्य वदुनिःस्त्रासयूग वलिययतिनिःस्त्रासयूग जीवति ॥ याधुवायलायक मरुया
 व गकालेस्त्रासनननव विदुडयदवदगकाव लक्षिमन्त्राक ॥ १७ ॥ ॥ सोमदृष्टिर्
 थयस्य (गतायकासुथेवव गुदगा निरुथयय सायिसाधु) रुथद्व ॥ मिखातजलिग्य क्रसनगाव ख
 द्वकऊक अयामगादि ध्वक्कागीमलिक ॥ १ ॥ यालियादीरुथद्व द्वाद्यस्यल्यनवमु तः डिदका
 मलगायानि सभागीनविनयानि ॥ ८ लालुम्ब रुथरुतुवावमनाय ध्वक्कागीमलिक ॥ २ ॥ विद्यासी
 र्थरुथय शृङ्गावीनिडलमगथा ॥ १० दियानियमन्नानि सभागीनविनयानि ॥ ३ ॥ रुथरुतुवावमनाय ध्वक्कागीमलिक ॥ ३ ॥ विद्यासी
 यवधुनमद यधुदीरुगवावमद ध्वक्कागीमलिक ॥ ३ ॥ रुथरुतुवावमनाय ध्वक्कागीमलिक ॥ ३ ॥ विद्यासी
 सायकृत् कल्लायिकरुतुनस्य सजीवानागमगय ॥ ३ ॥ रुथरुतुवावमनाय ध्वक्कागीमलिक ॥ ३ ॥ विद्यासी

सप्तमस्त्रीनक्षत्रावधवागीमलित ॥ ४ ॥ धनरासकलीयस्य गन्धमादिसूटलव ७ । कलायुवितक
 ७ सुसजीवनागस्य गन्ध ॥ समस्तकर्मस्य गन्ध ॥ गन्धर्वस्य दूनायिकेयाय ७ । क ७ सयीणमद्वाग
 कावधवागीमलित ॥ ५ ॥ धनकालननिदान ॥ ५ ॥ ॥ कलायुवक मृद्वीक वयावदनसा
 निवा । सकाथयययायीगा कीलनननिवा वला ॥ ॥ यियली ७ मिदु ७ व ७ गीयलु ७ दू ७ काल
 स ७ धनका ७ दास्यदू ७ स ७ का ७ कन ७ कीलनन ७ ॥ कीलनन ॥ ॥ विठ्ठलसोवकुलवयाथा थावा
 मिर्षिधुवयावगुके ७ । यलीसिके ७ ७ कीनसमिधुगस्य ७ यक्ययका ७ पुकेरुवनधु ॥ विठ्ठल सवाक
 ल सिंघ यथया शिकट विलक ७ संधवायुयउसयुद्धि ७ धन यागगुनदूद ७ धनरुकि ७ व
 कनकीजीधुवन ७ सप्तमावक ॥ ॥ विठ्ठल दिद्युग ७ ॥ यियली यियलामूल वयविणकनाग ७ ७ यलीके ७

२८

सयवेकावेद्युगस्य वियावथ ७ ॥ कीनयस्य कनयस्य द्विचमकननागनी । यरुणीया याधुभागस्य यीरुगुल
 निमुदन ॥ यियली यियलामूल सिंघि थलक गुठिदुद्धि ७ यमसखावयुद्धि ७ धनवा ७ यागगम धन
 रु ७ दूदूरुद्धिखून ७ धनवनक विचमकननाग ७ यरुनीयाधुभाग ७ यूलथमय गुलमवायनाग ॥ ॥
 कीनययलद्युग ॥ संधालद्युग निवस ७ कीपुयाकोमुखस्य ७ व ७ धनधुगानका काव कनमूकस्यल
 कली ॥ वनविद्युयु ययावयु भाठवासि ७ व ७ धुसकाककु विवावनदियु दाधुकालवयु ७ यूनस
 गाठइयु कननन ७ उतव लकल ॥ ॥ लारा रुवेठि मनीथ धुगकलयाक थकनयून थकनयायु
 ७ सुवठन धधकननरुयु विक्र ७ यिनसमस्तकननाग ॥ ॥ लारा विनेल ॥ ॥ रुतिनिदानाक यनिक
 म कनविकि साधिकान ७ समाय ७ ॥ ॥ डिद्वयीगखवस्य गीरुटिगामागधिक ७ नका ग्यामार

वसिष्ठे कुरुगुणद्वयना ॥ भग्यायुक्ताचय कुरुवयिव वाताधिकया ॥ भवच्च द्वाकू यिलाधिकया ॥
 भग्यायु लाउहावचन (एषाधिकया ॥ कुरुसटंकगुणव सनियोगाधिकरुसा ॥ मित्रिग मित्रिगभूयाविष्ट
 लकलवर्जिता ॥ भद्राक टाटाकाक गुवर्जिग्य सनियोग यिकया नतालकल ॥ वाग (एषाया थव २ न
 तालकल ॥ यिक (एषाया थव २ नतालकल ॥ शिवायया शिवायलकल ॥ अविष्ट कुरुनकाव धृतकलन
 यनावथमद ॥ वृत्तिजिज्ञासनीकल ॥ ॥ वागयुयाधुनमूर्धसक नकरुवागिनी ॥ वकवधुष्टयन्त्रि २०
 लमिष्टिगिद्विष्टकल ॥ वागयामुणभायु (एषायागियाय जानजायु यिकयासुष्टकादू वागयिकयाका
 दू भायु वाग (एषायाभायु ययानजाव यिक (एषाया द्वाकू ययानजाव द्विष्टयथ ॥ सनियोग उकुरु
 योयनसुगलकल ॥ शिवायसनियोगकुरुनकाव मृष्टकाकवनि धृतमृष्टलकलसय ॥

नागीजिज्ञासमूलाणलकलथानविन्दति ॥ मानयो गुजकुरुना विद्यायने विवाचयतु ॥ नागीरुय जिज्ञा
 लकल मृष्टलकल मयववचनवागीगीद्युणमावकय धृतन धुवाको यन्ननविवाचयायमाल ॥ गस्म
 यव्ययन्ननलक यिवाविकिसय ॥ गस्ममगत्या (एषायायन्यर्थसियायगमया ॥ भनानीयजनासनु
 निवागागिबडीविन ॥ कुरुयन्नन धृतयविकायाकनउवद्युलाकनविकिसायाचटव ॥ धृणासुयउ
 यविवानमाकनवागीक यकीयुर्थलाका ॥ रुलन थकसामरिगजनदाका निवागीविबडीवीथक
 ल ॥ ॥ वृत्तिनागीजिज्ञासमूलाणलकल ॥ ॥ कुरारियायुदववकुरुगादरा जावसादानिलमनिवा
 धा ॥ विष्टगयायाननधावियाका सविष्टगसुययुन ४ सनालि ॥ लूयउ लूय अयाम वस सायु दिगवल
 थकनमद कारुसमदयु निकगथा रुसवा मलवय यिरकाव काठव याकमवय थिष्टवायकयुयायुव
 वृयदयथिव ॥ ॥ गुरुलशिलवुर्दी मन्थमन्थमूदुर्दी ४ सकदामिसवुर्दी मानूतनीगिसा

र्थन ॥ रुदनवर्धय पियानजाव चकनमलाक विराय रूडर्थ रनिका गवाद्याक कठयू र्थीट ग्या कगवगद्य धन वा
 तनद्रवयटवीयसथ ॥ ॥ यवमृलीवलाविष्ठा धान्यकात्यलविष्ठा वागगिसानिष्ठा यया नक्र ला चगमनवा ॥
 व्याल गिनियाल गंरावि वातधन वदियाल धनयाहा गुणि रुदन डरुल केवयाल धनधनिगिसखास्यगान
 केनवागगिसानकव ॥ ॥ यिकान्यीनरुनिगिलादिगवा एषामृद्धायाहयाकाययर्त ॥ ॥ यिकनद्रवयटिया यथा वा
 दू स्थिताउव यास लू यंउमर्द्धि य रुमृलयाक मद्रव ययामसककुदय धधकाउयू ॥ ॥ मधूकडुल
 लार्थ यठिनमृ लवर्गथा यिकगिसावमधूक यायथरुदुलामृना ॥ ॥ यिनिगि कलधमकव रुं द्याउ कफिधा
 नखाला युवाकसलातीसकसीकाह धनगानक यिकगिसानकव ॥ ॥ धमधूकदियिकगिसानया ॥ ॥ रुक
 सडिसकरुं लुभा ॥ ॥ ॥ यिनीगारुदुवामामनू य ॥ ॥ नायूव कलू ययिक खवथ लधिय (शमनद्रव नाधा
 वे खादू कविमर्ककठिय ॥ ॥ ॥ योवकुलववाथाय दिगु मनिविवाहया ॥ ॥ यिधुभातिसावच वृधुनाका

युवाविगा ॥ सुवाकल व विकदू दिगु गृणीथस रुनठ धनवृधुयाहनदुगालखिनगाहन (शमनद्रव नाधा
 सोवर्धलादि ॥ ॥ ॥ यिनीगारुदुवामामनू य ॥ ॥ नायूव कलू ययिक खवथ लधिय (शमनद्रव नाधा
 द्यधनकीया ॥ ॥ ॥ यिनीगारुदुवामामनू य ॥ ॥ नायूव कलू ययिक खवथ लधिय (शमनद्रव नाधा
 सिमनस समरागवृधुयाह धनिगिसखास्य (शमनद्रव नाधा
 या ॥ ॥ ॥ यिनीगारुदुवामामनू य ॥ ॥ नायूव कलू ययिक खवथ लधिय (शमनद्रव नाधा
 विरका विविषामूरु वातविद्वसनगरु वसर्क लकुलायधवाग (शमनद्रव नाधा
 मूरुवात व्याल गुणि कूटवीड लवर्गलवच मदरुल रुनठ धनवृधुधनिगीयखास्यगानक वाग (शमनद्रव नाधा
 भाक ॥ ॥ ॥ यिनीगारुदुवामामनू य ॥ ॥ नायूव कलू ययिक खवथ लधिय (शमनद्रव नाधा
 निविषामूरु रुनिदा योर्धुनीद्वय ॥ ॥ सकादसक नासयि ॥ ॥ यिक (शमनद्रव नाधा
 कूटवीड यतिथस मूरु

कनकि सनयर्णी पृष्ठयर्णी ककी साखनयननवा लनकी यिल (गुभा) निसानमाक ॥ कृष्णजदियिल (गुभा)
 निसान ॥ ॥ वं नारु प्ररुमासाम्बु सदृगंसर्ववृयिर्न । कृष्णसाधमगी सारविद्या दाययथा रुव ॥ रुयायक
 (थ) लासलानिथं दृग्गसर्ववृयिर्न दाययथा जायनय अतिसान लयक भक ॥ विव्वं वधानकी लार्ध गजयियालि
 यालकी । कृष्णमाषिकसयूक लक्ष्मि सर्वातिसान नृग ॥ ॥ यान धविमान गुन्नाय गजयियालि याल कृष्
 वृष्ण्याद ककी नवा लनक यिद्यो यानिसानना मी ॥ ॥ अन्नाजी (धु) यदुगा ४ कारयक ४ काष्ठयावाधा रुस
 सामलान्गु नानावर्णनेकस ४ साययकि गूलाथर्ग वष्टमनवयनि ॥ अन्नाजी (धु) मवर्गु यवृकि यादवव धव २ थ
 नस धा रुमर्चा य नसनका पिसनवय मनथा वालवव नलगावनि गलक्ष्मी धा नकाठय यय्याक नर्गय अ
 मागीसा नृगनयि युता द्वाया ॥ सीष्टमरिधयि यु यस्मम वसीयनि यनीर्षरुगदूर्जय विव्विल वामय नि
 र्ण ॥ धनवस्य अमन वालसथ लेखस गलदास्य थाठविक् धनख अमीर्न रक्क नवकोन थाठ सामागिसी
 था

कनानकी रुयलिखिग्व गूलायम काठव गवकानवात्र धवाकमावक ॥ कृष्णजदि ॥ नकागिसान ॥ ॥
 आय ४ यष्टु निविर्गिला सीनदय धकाद रिता गनस्य सवारु रुचि वदू (गामलाकी यवारिकी नयिवदनि वरु ४ ॥
 रुयनवा धनयल (गुभा) मवनवयर्न काठव मनिग्वनल वरु नय विराय धा नवूयव गवर्ग धा नवू काठवदु सलनव
 ल धयवाहिका धाय ॥ वातन यय्याय यिलन ययिरुय गुभा लालन द्वाक् लीनजाव रिदायुन द्वाक् नूकयादका
 ठय धकन (ध) ववधा ॥ यवारिका रुदा ॥ ॥ धाणी पय्यवमनि वीवा वालसय दायथ ७ सवदिका यमन नंका
 गृगदायर् ॥ धविमान मवव वाल धननयि ताठन ययिकाठवक सारुनवगु रिद्येदेव ऊर्न ॥ ॥ यवारिकागिसा
 न्ना ॥ ॥ केवठजम्बु गतिम गृगाठकयर्न दीववाड धननागवमदिर्न नरुल जलमयिय यूगमयिवयवि गीगाथ गान
 नृधन ॥ काकाठ गुठिममन धाठखना सिद्यटकरुन वाल मूक रुधि धनसम गगवृयाद नूवाक रुयादीस
 रुयिगानकी गीगाडलयावग (ध) ययिकाठवडर्न ॥ ॥ ययक मयनना गुवृनथवा रिक्क ली नदीय गायम

[illegible]

नरेश्वरस्यैव शायिनि वागगुहलीभाक ॥ वागगुहली ॥ साजीर्णनीलयागारयिला निसायनव ॥ धु
यिकलबसुसवनया ॥ अजीर्णवाटु ययु यिकनकाठयु ॥ कालस्य ॥ नागनाथकीचव सकोर्द नहु लाम्बना ॥ यि
कगुहलीदावागवक यिकगियाननूत ॥ लुठि धविस्थाने केसनागयथाय कसु क्काठगोठन येकगुहलीअ
गवक यिक अतिसान धनभाचके ॥ यिकगुहली ॥ उक मागस्यवस्यप्राद्वस्यनिकुयित ॥ कुरु ॥ नदि
धूससुनेठले अग्निमन्त्रयार् ॥ श्रवकायनया ॥ व ॥ तस्यान यद्यन दूरवदह्लाससु धैवाचका ॥ धतयाकनअ
नयाकहननवदु थलकावर्थ नयिव नूचिमया ॥ गप्रथावाकयाकावा गन्धिकवीडयुवक ॥ लवला ॥ श्राम्बना
यय ॥ श्रविकगुहलीगद ॥ गठि गिकदू दनठ यवकाव यियलामूलका ॥ सयसंघ धनचूर्णयाठकाकल
वसथस्यभाठन ॥ श्रवगुहलीनाग ॥ श्रवगुहली ॥ ॥ यथग्वागादिनिदिष्ट रुतुलिगसमागम गिथ
यनिदिष्टगदवतयविकाभिगयज ॥ वागयिक ॥ श्रव धनचूर्णयासायठठनालक ॥ नगिगठमूठजास्यव

वसा सिदायथाय ॥ विष्णुविष्णुनिर्घनजतिम ॥ यमानिकार्येयवधानकीर्ण ॥ कद्रुण्यविष्णुलाम
 वीडी रुनीगकीधन्यकलाधमा ॥ गङ्गनयीर्गमनगानिसार्व ॥ निरुकिचामायकर्तुविर्वधानू ॥ शुभादना
 नाहमजीर्णुणाथ नूचिसयकागुदामयर्थ ॥ गङ्गा धनक मय्य ठाठवि यिमूनि स्थिध धविम्वान
 शिकट्, द्याल, मयनैरुल अयलैयू रुनग गाठम्वरुन रुन्नाय योदय दृष्ट्याक धविगीसखा स्थितानक
 वागानिसान आम लोका विवधे गूलडयन ॥ विटकास्य ॥ गङ्गा धनकाग अर्ण धनमाचक्र ॥ रुद्र
 ३३ ॥ ॥ विष्णुजडी विष्णुयणी कल्क सिद्धि दृष्टिद्वय नू ॥ मयूनस्य कथाथन सयक गुरुनीनागा ॥
 रुद्रनिदिनाक यनिकम गुरुणीचिकि व्याधिकाव ॥ ॥ यथेयार्थ ॥ समस्त गङ्गा विनाय
 रुद्रानिच ॥ अर्ण यद्य काना विद्या रुद्रवलिपथ ॥ वातपिरु लोका सिदाय ह्रीं सरुड अर्ण य
 नायकानभय ॥ अयामयो वलिस्थिता नमयवादिनी विसर्जनी मवनी धरिता क धवा अर्ण

३५

लि यवादिनी अर्णुलिङ्गि मथमविसर्जनी अर्णुलिनस्थि २ थ धर्मवनगीनाम ॥ अयामर्द्रवन गखाव
 रुद्रनधानय विवर्णना कावननावधल चिकि चानूल य ॥ ॥ विष्णुशत्रुदोवर्त्य कृष्णवाठायनव
 च ॥ अर्णुमागने ॥ यर्णुयर्धवाव अर्णुमागने कामरुद्र वलमलाक मार्जस गुणुशनकाव ॥ कार्ण
 मूत्रानवाद्रुर्त्य गङ्गासायल्यविद्वता ॥ गव र्धकावड धंस्वय या ॥ अर्णुका वादिनिचिगयका वरुदव ॥ य
 रुनीधाययागुर्धनागका वादनयव ॥ गुरु लीथरुद्र यार्णुयार्थरुद्र अर्णुकाकय यर्धया ॥ ॥
 पूर्ववृयालि निदिष्टा न्यगामरिवृद्धय ॥ पूर्ववृयनिदग्ननयय अर्णुवाधनयय ॥ ॥ गुदाकृन्नावकनि
 ला ॥ गुष्ठाग्निमिविमायत ॥ अयामस ग्राववय वातवललाकया ग्वयविमश्वावकाय ॥ ॥ रुद्रवर्धयिनी
 मूर्तया भदिगुमविर्क ॥ ओवर्धल वरुकाक मङ्गाजीविन्वथलिका ॥ गुणुयमानिरुद्रवा विर्गसुधववचा ॥
 निनिठीक मथन म लुनाधूयकनवा ॥ वाताग रुद्राधाय गूलानारुविवधन ॥ मूत्रासर्वधायिधवागा

गंगुलीमता ॥ विकट पियला मूल वीर्यं दिग्धुवगक सवाकूल युक्कलामूल जीविके वद्याल गाठ
 ठा मवृत्तान विठय रंध व टटुलिस वृणुयाकन धसकन मतिव ध्वस जाति धजा विसरुस्य रवकाक
 लियस रंधर्य टव गाठन वातगुर्भ गरुली गुल यटववमाक ॥ गुवगादि ॥ दोना गं॥ विकार
 नानीलमखा नक वीता निषयग ॥ यिलवलल कया वासववा द्वादू व था रुकवनि ॥ पवजस्य व
 नागस्य कगव कसस कर्न ॥ सकोटनवनी ॥ ववयुर्क यिरागनागन ॥ यत्रकगन नृयकगन वून स
 खन यमगाग कमीवा मगधविलवनी वा वाननस्य यिरागनाग ॥ यवमथा रुविलीर रुविववद
 खादय ॥ शुभात्तनामरा गुला यनामद नूज ॥ सिगा ॥ वंदरध र्यका गाठ धं दधुसखवक रु रुवठि धं
 नयुयवनी लसिना ॥ शुभावललाकया ग्या कतवर्तमथा ककया कतवध्वकावेन गाठरुव शुभाया ॥
 तिलकलातर्क यथा गुठ गुठ विसमायिकी ॥ दूर्नाम म्यासकागर्ध्र या गुवागादवायर् ॥ रुमल वालाठ रुत

२३

थर्थस्यात स्यसिनय ॥ लघ्वी लघुनिदीक प्रसदाधगवती रुव ॥ अग्नितवमागनवलक नयिष्ठावया यादस्यव
 गनना जीसिनय ॥ सखितस्यसिगा ॥ या तदाधगवती निवा ॥ स्रग्गुनीवयाना जीसि वयाक साधावधगनसिनय ॥
 वयला कधिगस्यया ॥ कधिगस्य ॥ कधानयी उवयुगनीवयाना जीधास्यसिनय ॥ अन्ननयावटयि गीवीन
 यासि कयाठ समाधानन नाजीवरुकवय ॥ यकयुवगिस्तिना ॥ वातावकगगाना जी वयला यिरुवादिनी ॥ सिवा
 शुभा वतीना जी सवलिगावसधिका ॥ वातन ॥ वकयाठ सिनय यिरुनवलक वययि ॥ शुभा वतीना रुन ई
 द्यनि गालक वदव ॥ लिधावया स्वगान गाठन सिनय ॥ कथायस दू वसना ना जी लक वधधसय ॥ मच
 रुद्रो धविषम ॥ सम ॥ गुविचुविध ॥ करुयिरागिला धिक्का रुमागुजा ॥ यायव ॥ मद्यानि ॥ तीक्ष्णानि ॥ विषमग्नि ॥
 समानि ॥ धवयदाविधि ॥ शुभाधिक ॥ यिराधिक ॥ वाताधिक ॥ सव्वसम ॥ यटया अग्निकमयनि याटिन सय ॥
 गानि ॥ गोवदविष्टर ॥ सममावगसू ॥ ता ॥ विवधैतिवृत्तिर्वा सामान्या जीर्णुलक ॥ रुवस्यखमदा म्यागा

७३

यटिर्वाशवाव यिक कारुसमदग्ग निकाशकामउव काउवदव सामावाअजीर्ण ॥ यथापियलि
 सयर्क वृर्णु सोववृलीयिध ॥ मयुवायूयक नव जानीया कृपलालि यिक ॥ वउ विधमजीर्णु समुनननम
 थाववि ॥ आधामनवागु लमशूलकशुनि यकृति ॥ दूलेउ पियलि स्य ॥ सुवाकल धमवृर्णुयाद उवा
 दकनतादनधवितीसएन सुननवसव वउविधमजीर्णु सुमिमन्य सुविमया यटिवाव वागमुल्ल गूलादि
 धवमावक ॥ अजीर्णिया ॥ ॥ गगान्मगु वृगीकद ॥ (थागगु) कि कूटग ॥ उद्रावययथा सुक मवि
 दग ॥ यवकृत् ॥ ॥ सुभानदव आमयाक न क्रीमाउ थलकय दगाउमिहा मिखामनिव नया ॥ यार्थकावयाक
 मयया ॥ एिकदूक मज्जाद स्येक कीविकक समभवगधुतानम दूमादि गुगाग ॥ यथमकचल सुक सयिवा
 वृर्णुमत कूलयतिउ ॥ वग्निवातगुलमवकृति ॥ एिकदू अजमाउ स्यिधु जिनि काकजिनि समरागवाग कृता
 याद्यावासकृिवा दिगु स्यकवालानवका धवनवाल रुधयजाथानस्य अग्निहोयकव ॥ दिग्बद्धक ॥ अ

३८

माजीर्णिया ॥ ॥ विष्टद्वगूलमाभान विविधावातवदना ॥ मलवातायवृलिध सलामाहगयीठन ॥ वातन
 कृवयाविष्टद्वयाकनन यटिर्वाशवाव यटिवावग्याक वागयाथीलाल ॥ स्याक वादिनिनरिसनी वरुकलय
 क्रीमादू यवदनखाव क्रीमाक ॥ ॥ सोववृलस्यवयल दिगु ल्यामधतस्य ॥ वउर्णु लमजाजीर्क मविचाष्ट
 गुलरुव ॥ माउलू गवसननदुटिका कावय दिसक ॥ जनयहु ॥ वाग्निश्च वागगूलविनागयत् ॥ सुवाकलुय ॥
 सस ॥ जिनि ॥ मवक वृर्णु कूलसयितीनद्रा ॥ स्यागाउविनस्य अग्निहोव वागगूलमाक ॥ वाष्टिजीर्णु ॥ ॥
 गुवीलिनिवगागानिउदस्य निठन निल ॥ यास्याजीर्णु नसाययो विगूवी निनिगद्यत् ॥ मूदनक सगुयाथिग्याव
 किव रुसया अजीर्णु आधामनयटिकाउव धवलकल सयद्यनविगूविकाधाकन ॥ ॥ गुणीयकृयूलव
 लमरुयावृर्णुसयिती ॥ दिगुयवामुनायीर्क सवृगूलविनागन ॥ गुणिपियवि स्यधु रुवउ वृर्णुयाद गुक्का रीयाग
 स दिगुश्चदवादन मवृगूलविनाग ॥ वायूमाक ॥ ॥ गुणीकनामविचनी गदलावगला वृर्णु कृतिमवि

॥ १४ ॥ बद्धिगमसूत्रमायन । खाद्यदिदसमसिर्गुदजानिमाद्यी गुल्मावचिस्त्रसनक ४ दयामथक् ॥ १५ ॥ विद्यति मुनि
 विनूयकगव योगक लवंगत्वच शुक्लमाल धनसमरा साखनवक्त्रि वासनवक्त्रि वृष्यादनस्य लूणज
 मित्तल्य गुल्मवृत्तिमद श्वायक ४ सयौगवय लवंगवृत्तिमद धनभाक् ॥ ॥ समगक वादि ॥ ॥ अजीर्णविगृ
 यिका ॥ ॥ मूत्रायितायावमथ ॥ यसक ४ सदनरिम ४ ॥ उपयदार वन्नागमन वृत्तिवायजीधुर ४ ॥ लवंगवृ
 मद्धिग्य नारिनय धनवय थलराय क ॥ ॥ स्याक् विक्र थग उपयदन अजीर्णसगीय ॥ ॥ कथंकी ३६
 लयदयिर्ल चक्रानमावतानुग । गीदयवृद्धयदगिर्ल सदा रिसमर्कवदन ॥ ॥ लवंगविक्रिद्वय विरुथान
 रिस थवथानसचाल वागटी विरुयाकमलनयाव धव २ ॥ विवाधनयव धेसमर्कसि धाय ॥ ॥ विद
 नसमर्ककीन यवदष्टगुणधुर्न । मादिषडीवनीथनक क्ति नात्यमिनागर्न ॥ ॥ कानविदानीयावयया शाठंघ
 न गुमूल खललठीक धनताक क्ति याठ धनवृकानय रिसमर्क अग्निमाक ॥ ॥ रिसमर्क ॥ ॥ निनिदानयनि

॥ ५ ॥ कने अजीर्णविगृयिकाविक्रियाधिकान ॥ ॥ किमयमुद्विधायाकावाद्युत्थनवरुदन ४ किमिद्वान
 नगाविधि यिवनधा द्यमनवारुदनय ॥ ॥ वरुर्मलकरुमृष्टिठ जमरुया गुठविमे ४ ॥ यिवनयाविनिन ॥
 मधुवनलीननिकासन धयमानजायवय ॥ ॥ वदूयाष्टेयूक्ता श्रयूकलिखा धनामन ४ ॥ ललायकि
 विचारुकामसी ॥ ॥ लिखाससि ॥ द्विगतका ४ विष्का कठुग धुनयक वृत्त ॥ ॥ धनतामिन शाल्विगाय ॥
 कदुचास ॥ ॥ रुनवनकिव धनसिया अय ॥ ॥ धागः ॥ ॥ निवाविर्गिगामृण ४ कटुगर्ल विवावय ॥ ॥ ल
 यावेलिखिकायूकामाडनतयुगि कुर्य ॥ ॥ रुतलि विथस यलकाधकन गामृणखून धेधकनगलन यूकालि
 ख्याणीनाग ॥ ॥ यूकाठवगल ॥ ॥ कुरादामाथजाग वृद्धा ४ सयानिसवर्त ४ ॥ पृथुवदनिराकवि क्ति
 विरुदयदायमा ॥ ॥ लूणन नारिनेथजायवय वृद्धावारवय सकलरिनेजाव ॥ ॥ रुतनीयनिथक नवचाक क
 ५ नादलविधेय ॥ ॥ नूरवनादूनाका नासूदीयस धनय ४ ॥ धनासामावरासा धनामन ४ सफ
 ॥ ॥ युकालिखा नीनाम ॥

धातुः ॥ पूवातुविदवथेयव वक्रगिनक मगाहाक चक्र तिखन द्वियव ताथल द्विजनवय ॥ धक्रसगा
 जानि ॥ ॥ अगादावदनाव द्या रुदयायाम रुगुदा वनधादरुक् सुमसग धाक वक्रवत ॥ अक्रादह
 दनाथरु रुद्याद मरुगुद वनव दरुक् सुम सुगथ ॥ धगस्यथथयार्थ ॥ रुतासमास्य गुवर्णमयि
 याकमभावर्क । मृक्कां द्विद्वाना रुकथ कवथयीनसा ॥ लुग्वरुध्व अथलकाव याकमवयव वृचिम
 दा मृक्कां धनिवव कानयव यरुकाव रगव लकंकावव क्रासरुल २धाव ॥ ॥ यकागययुवीथान्का
 जायत ॥ विमथि ॥ वृद्धय सुगुथयुगुतयदामागथान्मूखा ॥ तस्यास्याक्राचनिर्गुस विगथान् विधायिन ॥
 र्थरुनकानिकागमजायव क्रावयि वृद्धाथय युकरनजावकि मिवाधनयनकाव वृद्धा आमागयन
 र्थकावव ॥ थायार्धकान अक्रविनावयि सावथयानयिव ॥ यथवृगाया रुद भवताजानि कागानामकिमि
 सक्रायादवनिधाकाकिमीनयान धत ॥ ॥ विरुदगुलविष्टर कार्थयानूकयाधुना । धामरुथा

४०

मिसदनमुठकीद्व विमार्गगा ॥ निकागमालयटस्याक यरुथ २धाव णव थकनमलाक भायुवनि विमर्कक
 ठिक्व अग्निमव द्रुस्याक अयामचाय मार्गनवय धतक ॥ ॥ विठिद्रविल्लमूल अमसकीठवूननिव । यव
 कावयिथलक सवक्किमिविनागर्न ॥ विठस यालका मूस गनुविमसकाव वृर्गुयाठववितीसका र्थीगाठन
 समसुनियुता विणयकि मिदाकीमाक ॥ ॥ र्गनिनिदानाक किमिगागविकिसी ॥ ॥ याएवागा ॥ स्मृतयि
 अवागयिल ॥ कुरु सुय ॥ वयुथ सनियातन यधमा रुकला स्मृद ॥ यागुवा गकागधाया । वात १ धिल
 २ एवा ३ सनियात ४ वानयानतग ५ काता ॥ ॥ वक्रकाट निष्ठीवनगा एसाद मृद्रुक्लय कगक्क ६ र्गधा ॥
 विष्मृगयीगवमथ विवियाका रविधारास सायुर्व ८ सुनालि ॥ सर्वमा ध्वक् खावथलदाव र्गग्याक वान
 थयू मिठीमिन् नकीगुलि थाकीगुलि वय नयाड १ २ मर्वनय ३ र्थयू थायया पूर्ववृयथ ॥ ॥ वक्ररानय
 नादीना नूक दृष्ठा नूगदरा । वातया धामयर्कय आदाना रुगमादय ॥ सवूरुकीलि मिखाण दिन थकनम

७३०

लाक रुक रुक नवनय वागनववया पुषागया कृत्य वाश्याथग्याय यठग्याययिकुआदिनद्याय
 ॥ याननय सकृत् नृणादरुष्टाद्वयादिग ॥ शिवविद्दीनिषीताक ॥ यिलया पुमयीवव ॥ नवकृतिनाक
 गुतिनद्याय मिखा यय रुय यास कृतनेगव दादिनिष्कालिक तवमाणनथय यिलया पुषागया ॥
 ॥ कृत्यसकृत् यथुगदिलस्यानिगवव ॥ यापुषाग कृत्य कृत्य पुषुणनयनानम ॥ न्यायिनद्या
 य थनयथद रुमाद कक पुलासी पुनीमिषोरु पुषायाकनामदव यापुषायययव नकृति
 मिखा स्वातगाय ॥ कृवाभावकदलासेकु दिष्टकाकुमावित ॥ यापुषागीरिद्धा यिष्ट कोलोयक ४९
 तमिदिय ॥ कनकय नृविमद लंग्वरुथथा कक योसडका समथा रिदाषलकव यापुषाय गव
 य पुष्टिर्वनल धतगातकाय धवागीवद्यनगाउतक न यवानमामात्य ॥ मुलिकायनगीनयक
 ययनयतमामल ॥ कषायामानुरीयिक मृषीलामधुनाकर ॥ वागवर्गिनवयाभनववामलनतयकाय

नययू हाकूचानुवाग हाकूचानयिकु माकूचान (ह्यमकायनयू ॥ ॥ यूनर्तवानिचयाटालगु
 छि तिकामृगादाद्य ग्याकषाय ॥ सवर्गगणो (थादवकाग) गुल्ल, साविर्गुयाधु गयनिरुति ॥
 यूनन्यन निम्न द्यला ग्यति गुष्टि कदूक गुण्यु मिचिकिसि हवेण धर्तवृष्टु का ऐदास्यति ठन सवर्गग
 दूमासू र्यटमग्वि काग गुल्ल स्यासननयिकाग गुल्ल स्यासननयि द्याधुवायसमावकन ॥ यागुद
 कनखेयसु यायूनग सुयागुव ॥ यागु, सद्यातदगीच यागुवा गीविनयति ॥ द्यामिल्ल सिना
 मिखाना ध्वयतावू रायनकाय हावसुनं नाय गुरवैनकाय ध्वयागुवागी गीयू ॥ छतिनिदीनाकया
 दुचिकिवाधिसा ॥ ॥ रुनिदवधु सहर्ण रुनिदलकखानन ॥ मिखनवमान नयासयू लूसिखाल
 थय ॥ नकपिरुसकृ मृश रुवव (धुम) रुत दिय ॥ द्यादू तथा वरिनिर्मा र्कगुलिर्मा ॥ द्यायावनि
 द्याक्या (ध) य ॥ छति यवू वलमलाक ॥ दारुदियाकथोवत्थ सयनावूचिकार्यग ॥ रुयूनयाया

कमलवदलमलाक, की स्याक वृचिमथा गव ॥ कामलावदुयिले वा किराष्ट्र ग्वाखणमामगा ॥ कामल न
वर्गयिले यटियासाखाललाभोग (थ) अणययाठथोग ॥ ॥ कालाने वाखलीदगा कृष्ण स्यात्वं र
कामला ॥ कामलनायनाद्यागदाव, वायव्यायु ठथकथाक ॥ किरा कामल (था) वाय ॥ कृष्णयास सद्धम
गाष्टगंगुवधुमातुवः ॥ निकोण ॥ एकमुलि नयुद्धाक गवमागनर्मग्य ॥ ॥ गुणुवीसर्वसन्नाधुद्ध
निदुनसाधवा ॥ दोदयुर्क उगत्यागासद्ध कामलकावकः ॥ गुणुद्धा ॥ २ यंगीसं ॥ ४ व मिथकि सिया
रुलठिया गिनगव (था) नगायानीस कसिद्धा दगादने समस्तकामलभाक् ॥ ॥ कामल ॥ सनुका किम
खद्धदि विभूणीयधुताम्यानि ॥ मिखाखालकादू कादस्य धनवव निकोणन एकमुलिभाक्कादूना
किद्धयुव ॥ दोरुवृषिष्टयानारु गल्यामारु समन्तिग ॥ नष्टागिनिसूः ॥ दिसैरि कामलान्वि यत्रन ॥ ॥
यनचिमद व्यास वाहिवि मृगपद आकायनरुनखाव अर्निर्यरूामद धनडययवनगायनगीय

42

[illegible]

॥ यिर्दिदगुं सुगुलविदरुखागुणानिर्दि ॥ यिरुकायनययिव थवगुणन हीननार्कायनयिव ॥
 ॥ ततः यवर्कं तं वृकं सुदुचाधोद्विधायिव ॥ यवर्कं वृकं वयाव थनयिखवृ कानकयिखवृ ॥
 ॥ नानादिक्कुं सुमिदुथा निगुं यन वृ ॥ क्रासु मिखा वृकं थनवव वृ ॥ लिंगयानिमागं
 धननवर्कं वृकं ॥ कयितं वामकयं यमसुगुलकन ॥ मेदनं गायकामिदं कृष्टुमायनवमिः ॥
 तव कानकायनयवकाय विमलीसयतिनदि ययिव ॥ लोहं विदुनिगुमां रयमिनरुविद्यानि ॥
 कावनाशायानवव कयिं कखादु सनतक व कृष्टुलु थनयथिदग सा साववयं व थथन
 कावनकयिरुवयव ॥ ॥ सावसयागु सभुर्दि यिद्विर्लचकराविर्ग ॥ सनय धनयावव वृ ॥
 यु यिकनायिथीना ॥ ॥ यनमदु यपा ॥ कागमूलदुवातल ॥
 ययिगशिदसाधित ॥ उदुगतयं वृवृ नक यिरुविका व विर्ग ॥ वल गीखवृ उगवृ रवकन म

४३

सु धनवृर्लु स्वादुलखनगान उदुगतवकयिरु नाग ॥ उदुगत ॥ ॥ दादामय कमाधिकं वनयय
 कं गव ॥ यमजामयवातानियिधन्की वलसयुर् ॥ वका तीसावना गाय वक यिरुयगानथ ॥ मिदिसं वृ
 मधु कृतिवन गीखवृ यमकगुव सुवि गुणि मल वल धनदुदुस असा ताठन वका नीलान वक यिरु
 ना नि ॥ सुधगन ॥ ॥ दोवृलु गायसकाग वनव सथमदा यो गायारु ॥ वृकं युक् थावविदारु वृ
 निवयिसदा रुद्य रुत्ता चयी ॥ ॥ वृका वृस रुद ॥ निवसियतयनं यनिनिष्टी वन वृ ॥ रकद्व वाविदाको विक
 तिवायि रवदु कयिरुयसगी ॥ वलमदा साववयं व मासाक कानयाव रुक थनयुकाथिदं व य
 दुवायया रावथिगु रुयुर्लु गयमदु गय नवका वविगाममदारुय ॥ धन मद्रव लुगवृ ॥ क या
 सचाव भाउकाक सल गदक नरु क नमथव जरावदु व वक यिरुयवयथ ॥ लादिनद
 गयं यु वदु गीलादिन कन ॥ लादिना मावदगी च मियत वक यिरुगः ॥ दिक्काक गवकानमिखा

आदुर्धकावलिस्थिववखलं नकुपीरुवागीलरियभामर्ल (थामन्नाक ॥ धनिनिदानक्रमनकाधिकया ॥
 ॥ वगवाधकृया जेव सारुसाद्वियमासनागो विदावाहुयनयन्ना गदाकेरुवखुय्याग ॥ वगस
 ढायाकन (गवन नवसाकमनसंदास कागलनयास शिदाय वागयिक (धम यनाहु नुन जा यवय ना
 डय ॥ स्वासगसादक र्त्तुवगा लु (गोक कृद्यगिसादमदयीनमकागनिसा ॥ गाय विद्यानिरिवकि
 सदा जदु ॥ गुकु क (॥ एवगिमासयवावि नस ॥ साववयय्य द्यं थाक् थलकाव धकागय धनवय
 यमिननद थंरु ग्व कासन लेख (थंरुकाव मासाक (गय वायस धगदुय रावनयकननिधुय जनुया
 मिखागाय लाभमाताय कीयाकवव ॥ अगया धारि वायधु संगायकवयादया ॥ कन ॥ सदा अग (ध
 नितकननाडयक ॥ ॥ कयिक ललाहय कीनगयकानयाय धगतक ननाडयकायायुववुय ॥
 सनरुयानिला कु लसिका वधाययाग्यथा ॥ सनखानु पवध धर्मेन यकिन वगनयुग्म ॥ ॥ द्वावादा

४४

रुगिसान शुयिलयकस्य वागम ॥ कानगवमागनयव रुयु यटि कलुका लानवग्य थिरुयाकनहि
 वव ॥ ॥ गिवस ॥ यनियुधुर्व मरुक् कृन्कवव ॥ कान ॥ क ॥ अयवीधं गाविरेय ॥ करुकायन ॥ माठि
 सदा यउथंरु (थंरु ग्व मसगाधमदा भायाक की ० कू धू डल (धमकायनयसय ॥ सकादगलिधरिमु
 यकिवायिसमविग ॥ वागया डलकल ॥ यिरुया ॥ ॥ अमया ड धममूठ ॥ ॥ वगलिवनवायुव ॥ जेधा
 (गायाविगडि मुवलिमासियविदय ॥ ॥ ॥ लायय (गायवायिउवय ॥ सधेवध फिलिवायिलिगेमा
 सुवलकय ॥ डिमकुगानंथकन नानंथकन सनानथकन विक्रदागवव लाभविलभा ददयकय ॥
 निनायलीठगाकानी यियलविदलाववा पुन्यादुदं दिगु नितलरुयमधूसमिवा ॥ वधुगयोगथयतकौस
 कागकरुकरुव ॥ यागुगुलिनमल्यमिसयिदि कामवावर्क ॥ रुकयादाअयाहवक वनकन (थाड (ग ॥ नायू
 साखनयू १० वगलावन ड यियलि ६ वला १ लवग १ धतवृधु धनककिनवालनक (धसकाग (सय ३

